टोंक में आईपीएल मैच पर एक करोड़ का ऑनलाइन सट्टा पकड़ा, तीन गिरफ्तार

पंजाब-दिल्ली आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाया जा रहा था

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में चलाये गये विशेष अभियान के तहत जिला स्पेशल टीम ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी करते हुए सोमवार रात्रि को सदर थाना क्षेत्र से गुजर रहे जयपुर-कोटा नेशनल हाईवे-52 के पास स्थित मालिक भागचंद गुर्जर के फार्म हाउस पर पंजाब-दिल्ली आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाते हुए डीएसटी ने एक करोड़ का ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा पकड़ा तथा मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने उनके पास से लैपटॉप समेत कई सामान जब्त किए हैं।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार आईपीएल क्रिकेट मैचों पर चल रहे ऑनलाइन सट्टे के मामले डीएसटी ने कार्यवाही करते हुए करीब एक करोड़ रुपए से ज्यादा के हार-जीत के हिसाब का खुलासा किया है।

पुलिस ने लैपटॉप, टैबलेट, एलईडी टीवी, 9 मोबाइल और डायरियां जब्त की।

सोमवार देर रात सदर थाना क्षेत्र में एनएच-52 के पास स्थित एक फार्म हाउस पर छापेमारी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मौके से लैपटॉप, टैबलेट, एलईडी टीवी, 9 मोबाइल फोन, जिओ वाई-फाई सिस्टम, कार और क्रिकेट सट्टे से जुड़ी डायरियां जब्त की गई हैं, जिनमें करीब एक करोड़ रुपए से ज्यादा की हार-जीत

■ पुलिस ऑनलाइन सट्टे के नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य लोगों के बारे में जांच कर रही है

का रिकॉर्ड दर्ज मिला। सूचना के बाद जिला स्पेशल टीम ने मौके से आरोपी वकुल उर्फ बिन्नी पुत्र प्रकाश निवासी तनेजा ब्लॉक आदर्श नगर जयपुर, अमित पुत्र हीरालाल पंजाबी निवासी श्रीराम रेजिडेंसी सिरसी रोड जयपुर और फार्म हाउस मालिक भागचंद गुर्जर पुत्र प्रहलाद गुर्जर निवासी बंबोर गेट टोंक को गिरफ्तार किया है। जिला स्पेशल टीम ने जब्त सामान और आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस अब ऑनलाइन सट्टे के नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य लोगों के बारे में जांच कर रही है।

खेतड़ी में वन विभाग की टीम पर हमला, तीन गिरफ्तार

राजकार्य में बाधा पहुंचाकर मारपीट करने, सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में की कार्रवाई

खेतड़ी, (निसं)। बबाई पुलिस ने मंगलवार को वन विभाग की टीम पर हमला करने के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अवैध खनन रोकने गई टीम पर हमला कर राजकार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। थानाधिकारी राजपाल सिंह ने बताया कि 22 अप्रैल को गांव कालोटा क्षेत्र में गौशाला के पास वन विभाग की भूमि पर अवैध खनन किए जाने की सूचना मिलने पर वन विभाग एवं खनन विभाग की संयुक्त टीम जांच के लिए गई थी। वन विभाग की टीम में सहायक वन संरक्षक कमलचन्द, हरेन्द्र भाकर, सहायक वनपाल पिंकू कुमार सहित अन्य कार्मिक शामिल थे। वहीं खनन विभाग की ओर से खनिज कार्यदेशक रमेशचन्द मय टीम मौके पर पहुंचे। संयुक्त टीम द्वारा रात्रि करीब 10 बजे मौके का निरीक्षण किया गया। आसपास के खनन पिट्स का निरीक्षण किया जा रहा था। इसी दौरान करीब 10-12 व्यक्ति जिनमें नागरमल गुर्जर निवासी

■ 22 अप्रैल को गांव कालोटा क्षेत्र में वन विभाग की भूमि पर अवैध खनन किए जाने की सूचना मिलने पर वन एवं खनन विभाग की टीम जांच के लिये गई थी

कालोटा, कालूराम गुर्जर निवासी कालोटा, प्रकाश गुर्जर निवासी सिलाटी की ढाणी हाल निवासी ननिहाल कालोटा, शैतान सिंह कालोटा, सुमेर निवासी सिलाटी की ढाणी हाल निवासी ननिहाल कालोटा व अन्य व्यक्ति थे, ने एकराय होकर राजकीय कार्य में बाधा पहुंचाते हुए विभागीय टीम एवं राजकीय वाहनों पर हमला कर दिया। आरोपियों ने खनन विभाग के राजकीय वाहन के शीशे तोड़ दिए तथा विभागीय कर्मचारियों के साथ मारपीट की, जिससे कुछ कार्मिकों को चोटें आई। स्थिति गंभीर होने पर खनन विभाग की टीम मौके से रवाना हुई, जिनका आरोपियों द्वारा ब्लैक रंग की स्कॉर्पियो वाहन से पीछा भी किया गया।

घटना की सूचना तत्काल पुलिस उपाधीक्षक खेतड़ी एवं थाना बबाई को दी गई, जिस पर पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा तथा विभागीय टीम को सुरक्षित थाना बबाई लाया गया। मामले को गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आरोपियों की तलाश की तथा उनके संभावित ठिकानों पर दबिश देकर आरोपी नागरमल, कालूराम व जयचन्द उर्फ शौतानसिंह को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है तथा वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान टीम में थानाधिकारी राजपाल, एएसआई पप्पुराम, कांस्टेबल राजेश कुमार, सुगरसिंह आदि शामिल थे।

पांच हजार का इनामी 'मिन्डा' दिल्ली से गिरफ्तार

जमीन धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहा था आरोपी

चिड़ावा, (निसं)। पुलिस थाना चिड़ावा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 हजार रुपए के इनामी एवं थाना स्तर के टॉप-टेन वांछित अपराधी सुनील सिंह उर्फ मिन्डा को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी लंबे समय से जमीन धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहा था और दिल्ली में खानाबदोशों के बीच रहकर गिरफ्तारी से बचने का प्रयास कर रहा था।

पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशानुसार वृत्ताधिकारी चिड़ावा विकास धींधवाल के सुपरविजन में थाना प्रभारी अम्बिका चौधरी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार आरोपी सुनील सिंह उर्फ मिन्डा के खिलाफ माननीय वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, झुंझुनूं द्वारा स्थाई वारंट जारी किया गया था। आरोपी के खिलाफ जमीन धोखाधड़ी का मामला दर्ज है। लगातार फरार रहने के कारण उसे थाना स्तर की टॉप-टेन वांछित अपराधियों की सूची में शामिल कर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी की

■ दिल्ली में खानाबदोशों के बीच रहकर गिरफ्तारी से बचने का प्रयास कर रहा था आरोपी

गिरफ्तारी के लिए गठित टीम लगातार तलाश में जुटी हुई थी।

इसी दौरान थाना चिड़ावा के आसूचना अधिकारी कांस्टेबल अमित सिहाग को मुखबिर से सूचना मिली कि वांछित आरोपी दिल्ली के द्वारका क्षेत्र में छिपकर रह रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 11 मई को दिल्ली के द्वारका से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई में आसूचना अधिकारी कांस्टेबल अमित सिहाग की विशेष भूमिका रही। टीम में उप निरीक्षक कैलाश चंद्र, हेड कांस्टेबल योगेश कुमार, कांस्टेबल अमित सिहाग एवं कांस्टेबल विकास शामिल रहे। गिरफ्तार आरोपी सुनील सिंह उर्फ मिन्डा पुत्र विजयसिंह (40) निवासी छापड़ा, थाना पिलानी, जिला झुंझुनूं का है।

भीलवाड़ा में डकैती और तस्करी के इनामी बदमाश गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। राज्य स्तरीय विशेष अभियान के तहत भीलवाड़ा की बिजौलियां थाना पुलिस ने डकैती, एनडीपीएस और वर्षों से फरार चल रहे तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो आरोपी ऐसे हैं, जिन पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 5-5 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

थानाधिकारी स्वागत पाण्ड्या के नेतृत्व में गठित टीम ने डकैती के मामलों में 16 साल से फरार चल रहे 5 हजार के इनामी अपराधी राजू कालबेलिया निवासी बडोली, चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्ष 2010 से डकैती के दो

■ फरारी के दौरान गांव-गांव जाकर सामान बेचने का काम कर रहा था ताकि पुलिस से बच सके

मामलों में वांछित था। एनडीपीएस एक्ट के मामले में 13 साल से फरार चल रहे इनामी बदमाश मुकेश उर्फ संतोष बंजारा निवासी मंदसौर, मप्र. को भी पुलिस ने दबोच लिया है। आरोपी 2013 में 194 किलो अवैध डोडा-पोस्त तस्करी के दौरान पुलिस को चकमा देकर ड्राइवर सीट से कूदकर फरार हो गया था। फरारी के दौरान वह गांव-गांव जाकर सामान बेचने का काम कर रहा था ताकि पुलिस की नजरों से बच सके। इस पर भी 5 हजार रुपये का इनाम घोषित था। तीसरी कार्रवाई स्थाई वारंटी राधेश्याम उर्फ राधिया कंजर की गिरफ्तारी के रूप में मिली। आरोपी पिछले 12 साल से जंगलों में रहकर फरारी काट रहा था। पुलिस से बचने के लिए उसने अपना पूरा हुलिया भी बदल लिया था, लेकिन मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने उसे चिताबड़ा क्षेत्र से धर दबोचा।

हनुमानगढ़ में बारिश के बाद मौसम में बदलाव दिखा

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले में सुबह हुई हल्की बारिश के बाद मौसम में बदलाव देखा गया। आसमान साफ होने और तेज धूप निकलने के कारण उमस बढ़ गई है। बारिश से मिली एक दिन की राहत के बाद अब गर्मी का प्रभाव फिर से बढ़ने लगा है।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में लगातार वृद्धि होगी और सप्ताह के अंत तक अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। सुबह की बारिश और बादलों के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई थी, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली।

हालांकि, मंगलवार को मौसम पूरी तरह साफ हो गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर-पश्चिमी विक्षोभ का असर समाप्त होने के बाद प्रदेश के कई हिस्सों में एक बार फिर गर्म हवाएं चलेंगी। दिन और रात के तापमान में वृद्धि के साथ लू का प्रभाव भी देखा जा सकता है।

राजसमन्द में सड़क पर तीन पैंथर दिखे

राजसमन्द, (निसं)। केलवा क्षेत्र के आत्मा कुंवारिया-राती तलाई मार्ग पर देर रात एक साथ तीन पैंथर दिखाई देने से आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। सड़क से गुजर रहे एक कार सवार युवक ने पैंथरों का वीडियो अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार देर रात आत्मा कुंवारिया रोड पर अचानक सड़क किनारे तीन पैंथर घूमते नजर आए। कुछ देर तक तीनों पैंथर सड़क के आसपास टहलते रहे, जिससे वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों में भय व्याप्त हो गया। कार सवार लोगों ने सावधानी बरतते हुए अपने वाहन रोक लिए और दूर से ही वीडियो रिकॉर्ड किया। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र के आस-पास पहाड़ी और जंगल इलाका होने के कारण कई बार जंगली जानवरों की आवाजाही देखी जाती रही है, लेकिन एक साथ तीन पैंथर दिखाई देना बेहद चौंकाने वाली घटना है। घटना के बाद रात के समय लोगों ने अकेले बाहर निकलने से परहेज किया। वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने एवं पिंजरा लगाकर पैंथर को पकड़ने की मांग की है।

अफीम के मामले में सरकारी अध्यापक को सजा सुनाई

जोधपुर, (कासं)। एनडीपीएस न्यायालय जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने 12 साल पुराने अवैध मादक पदार्थ अफीम और अफीम की खरीद फरोख्त की राशि के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी सरकारी अध्यापक को दो वर्ष का कठोर कारावास और बीस हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

सरकार की ओर से पैरवी के लिए नियुक्त गोविन्द जोशी विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर ने बताया कि 1 जून 2014 को पुलिस थाना चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड के तत्कालीन थानाधिकारी अमित सिहाग ने रमेश बेनीवाल से उसके मकान नंबर 77 बालाजी नगर, रूप रजत रोड, जोधपुर के घर में पलंग की प्लाई के नीचे छुपाकर रखी 100 ग्राम अवैध अफीम और अफीम के खरीद फरोख्त के 12.03 लाख रुपए बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया, आरोपी डारों की ढाणी, डोली कल्ला, कल्याणपुर के सरकारी विद्यालय में अध्यापक लगा हुआ था। उसने पूछताछ के दौरान अपने ताऊ के लड़के भागीरथ बेनीवाल निवासी गोदावास कल्याणपुर बालोतरा से 12 किलो अफीम खरीदकर आगे लोगों को अफीम बेचकर 12 लाख की राशि इकठ्ठा करना बताया। भागीरथ भी बागजी बाबल की ढाणी, डोली कल्ला, कल्याणपुर के सरकारी विद्यालय में अध्यापक लगा हुआ था। बाद अनुसंधान पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में एनडीपीएस एक्ट के तहत चार्जशीट प्रस्तुत की।

गोविन्द जोशी विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर ने न्यायालय से वर्तमान में अवैध मादक पदार्थों के मामलों में गंभीर किस्म की प्रकृति के अपराध होने और अभियुक्तों के सरकारी विद्यालय में अध्यापक होने और उसका समाज में प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की वजह से आरोपियों को कठोरतम सजा देने की मांग की, जबकि आरोपियों ने नरमी बरतने का आग्रह किया। विशिष्ट न्यायालय एनडीपीएस जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत 11 गवाह, 34 दस्तावेजी साक्ष्य और 3 आर्टिकल के आधार पर अभियुक्त रमेशचंद्र बेनीवाल पुत्र बाबूलाल निवासी गांव गोदावास, कल्याणपुर, बालोतरा को दोषी ठहराते हुए अवैध मादक पदार्थ अफीम रखने और उसकी खरीद फरोख्त करने के आरोप में 2 वर्ष की कठोर सजा व बीस हजार रुपए के जुर्माने की कठोर सजा सुनाई तथा सह अभियुक्त भागीरथ बेनीवाल को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

अलवर : एनीकट का पानी रहस्यमयी तरीके से बदल रहा रंग

अलवर, (निसं)। अलवर के मालाखेड़ा क्षेत्र के ग्राम चौमू में स्थित घाटा एनीकट इन दिनों चर्चा और डर का विषय बना हुआ है। स्थानीय निवासियों के लिए यह जोहड़ न केवल जल का स्त्रोत है, बल्कि वन्यजीवों और मवेशियों की प्यास बुझाने का मुख्य स्थान भी है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से यहां का पानी किसी रहस्यमयी जहर में तब्दील होता दिख रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, इस जोहड़ के पानी में एक अजीबोगरीब बदलाव देखा जा रहा है। दिन के समय सूरज की रोशनी में पानी पूरी तरह से लाल नजर आता है, वहीं सूरज ढलते ही शाम होते-होते इसका रंग बदलकर हरा हो जाता है। पानी के इस तरह रंग बदलने और उसमें से आ रही दुर्गंध ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। घटना का खुलासा तब हुआ जब गांव के युवा राजाराम, प्रदीप, नवीन, मोनू और पंकज पक्षियों के लिए रखे परिंडों में पानी

अलवर के ग्राम चौमू में स्थित घाटा एनीकट में कुछ दिनों से पानी रंग बललता दिख रहा है।

भरने एनीकट के पास पहुंचे। वहां का नजारा देखकर वे दंग रह गए। पानी की सतह पर कई कछुए मृत अवस्था में तैर रहे थे। सिर्फ जलीय जीव ही नहीं, बल्कि प्यास बुझाने आया एक मोर भी वहां घायल हालत में मिला।

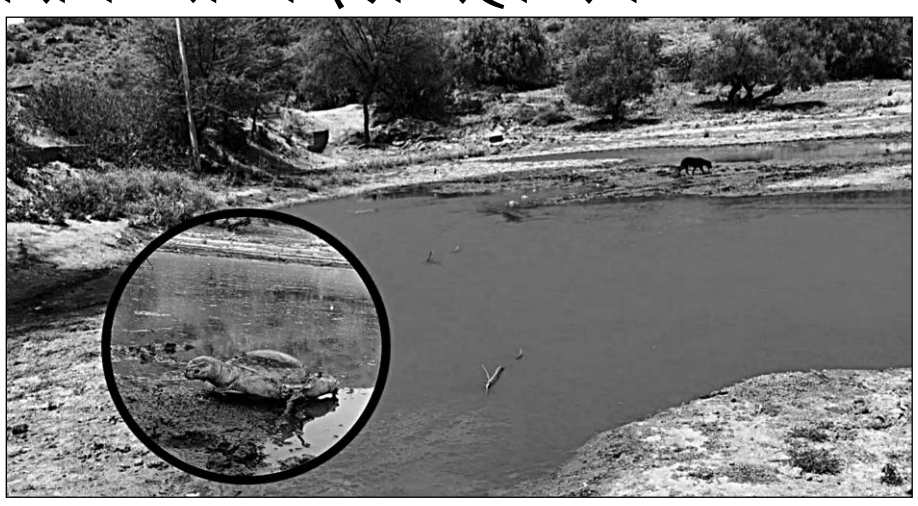

अवैध बजरी का स्टॉक पकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिलेभर में चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस ने न केवल वाहन और बजरी जब्त की, बल्कि अवैध रास्तों को भी जेसीबी से खुदवाकर बंद कर दिया है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न थानों में कुल 26 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 42 ट्रैक्टर मय ट्रॉली, एक जेसीबी, एक लोडर और एक डंपर को अवैध बजरी के साथ जब्त किया है। परिवहन की जा रही 140 टन अवैध बजरी को भी कब्जे में लिया गया है।

थाना सदर क्षेत्र में विद्या कॉलेज के पास और ग्राम पोड्रास स्थित कोठारी नदी में रखे 700 टन अवैध बजरी स्टॉक को पुलिस और माइनिंग विभाग ने संयुक्त रूप से नष्ट (खुर्द-बुर्द) किया। जहाजपुर में यहां पुलिस ने 160 टन बजरी का स्टॉक जब्त कर मामला दर्ज किया। बागोर व कारोई में संयुक्त टीम ने अमरगढ़ पिथास में दबिश देकर 50 टन बजरी जब्त की। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले भर में जाल बिछाया। सबसे अधिक 4 मामले माण्डलगढ़ थाने में दर्ज हुए।

एसीएस उच्च शिक्षा से मिले प्रो. बैरवा

जयपुर। राजकीय कन्या महाविद्यालय वजीरपुर के नोडल अधिकारी एवं राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रो. रमेश बैरवा ने अतिरिक्त मुख्य सचिव एसीएस उच्च शिक्षा कुलदीप रांका से मुलाकात की। इनकी निजी पत्रावली को गुम करने वालों के खिलाफ कड़ी विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की है, जिसके लिए एसीएस से इन्हें आश्वासन मिला है।

प्रो. बैरवा ने एसीएस को अपनी पीड़ा बताते हुए लिखा है कि इनकी सेवानिवृति 31.05.2026 को है। 03.05.2023 को इन्होंने राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी में कार्यग्रहण किया था। 19.10.2022 को हुए निलंबन के कारण इनके खिलाफ विभागीय जांच लम्बित है। विभागीय जांच में अपना पक्ष रखने के लिए इन्हें सेवा प्रारंभ की तिथि 29.7.1995 से बनी 600 से अधिक पृष्ठों की इनकी नीजि पत्रावली से अनेक प्रमाणित दस्तावेजों की सख्त जरूरत है। इस हेतु इन्होंने प्राचार्य,राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी से बार बार निवेदन किया है। गंगापुर सिटी प्राचार्य ने इन्हें अवगत कराया कि इनकी नीजि पत्रावली अभी तक राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी को प्राप्त नहीं हुई है। इसके लिए कई बार आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा एवं इनके पूर्व के पदस्थापन बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय अलवर को पत्र भेजे जा चुके हैं। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा लिखता है कि प्रो. बैरवा की निजी पत्रावली इनके पूर्व के पदस्थापन बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय अलवर से मंगा ली जाए जिसके लिए प्राचार्य गंगापुर सिटी ने अलवर कॉलेज प्राचार्य को पत्र भेजे। लेकिन जवाब प्राप्त हुआ कि तत्कालीन संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर से दूरभाष पर हुई वार्तानुसार प्रो रमेश बैरवा की निजी पत्रावली सेवा पुस्तिका के साथ 3.11.2022 को आयुक्तालय भेजी थी।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी पुलिस ने चोरी के मामले में कार्रवाई की है। इस दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चार लाख रुपए के चोरी किए गए सोने के कंगन बरामद किए हैं। थानाधिकारी मोहनलाल ने बताया कि 12 जनवरी को शीला निवासी वार्ड 19 ने रिपोर्ट दी कि 11 जनवरी को सुबह 8.30 पर घर के ताला लगाकर जयपुर गई थी। शाम के समय करीब 7 बजे घर पर वापस आई और मेन गेट का ताला खोलकर मकान में गई तब देखा दोनों कमरों के ताले टूटे हुए थे, सीसीटीवी कैमरे टूटे हुए थे। किसी अज्ञात व्यक्ति ने बैड मे रखे नकद रुपये व अलमारी में रखे जेवरात चोरी कर लिये तथा कमरो में तोड़फोड़ कर डीवीआर भी चोरी कर ले गया। पुलिस ने तकनिकी की सहायता से काफी प्रयास के बावजूद आरोपी सोमवीर ऊर्फ मोटू पुत्र रोहिताश्व निवासी चेलापुरी खेतड़ी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी से गहनता से पूछताछ कर जेवरात व नकदी, मोबाईल फोन बरामद किया गया।

चूरू : रिश्तेदारों के नाम फर्जी जमीन दिखाकर नौ करोड़ का क्लेम उठाया

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर रिमाण्ड पर लिया

चूरू, (कासं)। पुलिस ने रिश्तेदारों के नाम फर्जी जमीन दिखाकर 9 करोड़ रुपए क्लेम उठाने वाले को गिरफ्तार कर लिया है।

जिला पुलिस अधीक्षक चूरू निश्चय प्रसाद एम आईपीएस ने बतया कि 14 फरवरी को गोविन्दसिंह राठौड़ पुत्र नरोतम सिंह राजपूत निवासी चरला सुजानगढ़ सदर जिला चूरू हाल सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) सुजानगढ़ ने उपस्थित थाना होकर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की कि भारत सरकार की फसल बीमा योजना अन्तर्गत राज्य के किसानों की फसलों का स्वैच्छिक बीमा किया जाता है। इस संबंध में राज्य सरकार की अधिसूचना 19 जून 2025 को जारी हुई थी, अधिसूचना के अनुसार रबी की फसल में 15 प्रतिशत प्रीमियम किसान के द्वारा वहन किया जाता है एवं शेष प्रीमियम का भुगतान राजकोष से किया जाता है। जिसे राज्य एवं भारत सरकार के द्वारा आधा-आधा संयुक्त रुप से बैंक खाते के द्वारा वहन किया जाता है एवं संबंधित बीमा कंपनी को भेजी जाती है। इसी प्रकार से संबंधित बीमा क्लेम का भुगतान भी बैंक खाते के द्वारा ही किया जाता है। मुझे जानकारी मिली की स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की सालासर शाखा जिला चूरू के शाखा प्रबंधक उमेश कुमार सारस्वत, बैंक के कर्मचारी भागीरथ नायक जो कि फसल बीमा पोलिसी को जारी करता है एवं कुछ अन्य अधिकारी/कर्मचारियों के द्वारा बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ आपराधिक षडयन्त्र रचकर फर्जी बीमा किया जा रहा है, एवं राजकोष से प्रीमियम राशि का दुरुपयोग करते हुए फर्जी क्लेम उठाने की कार्यवाही की जा रही है। इस संबंध में 71 विभिन्न नामों से पटवार मण्डल बज्जू तेजपुरा व ग्राम बज्जू खालसा के गांवों का सालासर ब्रांच के के.सी.सी. धारकों की फर्जी कृषि भूमि दिखाकर 13 लाख 51 हजार रुपये किसानों का प्रीमियम जमा करवा दिया।

इस प्रकार से फर्जी किसानों का प्रीमियम काट कर इसकी कुल क्लेम राशि करीब 9 करोड़ रुपए बनती है। इस रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर सुभाष विश्नोई पुनि थानाधिकरी पुलिस थाना सालासर द्वारा अनुसंधान शुरू किया गया। पुलिस ने मुल्जिम भागीरथ मल नायक पुत्र दानाराम निवासी बीदासर को गिरफ्तार कर पेश न्यायालय कर पीसी रिमाण्ड हासिल किया गया।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 32.75 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

बैंक खाता किराए पर देने वाले दो स्थानीय युवक भी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा पुलिस ने पिछले 48 घंटों में सायबर अपराधियों के खिलाफ दो बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 32.75 लाख की ठगी करने वाले गुरुग्राम के एक शातिर हिस्ट्रीशीटर को दबोचा, बल्कि ठगों को अपना बैंक खाता किराए पर देने वाले दो स्थानीय युवकों को भी गिरफ्तार किया है।

मामले के अनुसार सायबर थाना पुलिस ने एक सेवानिवृत्त लेखाकार को सीबीआई अधिकारी बनकर डराने और उन्हें डिजिटल अरेस्ट करने के मामले का खुलासा किया है। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के अनुसार, आरोपी अनिल कुमार उर्फ नन्हे (31) निवासी गुरुग्राम को गिरफ्तार किया गया है।

14 अप्रैल 2026 को प्रार्थी प्रहलाद राय सोडानी ने रिपोर्ट दी कि ठगों ने उन्हें व्हाट्सएप कॉल कर बताया कि उनके नाम से जारी सिम से अश्लील संदेश भेजे गए हैं। खुद को जज और पुलिस अधिकारी बताकर आरोपियों ने प्रार्थी और उनकी पत्नी को डराकर 32.75 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। सायबर टीम ने तकनीकी अनुसंधान के बाद गुरुग्राम में दबिश देकर आरोपी को पकड़ा। आरोपी अनिल कुमार पर पहले से 15 मामले दर्ज हैं और वह हरियाणा का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए खातों में 16.36 लाख रुपये होल्ड करवाए, जिसमें से 13.46 लाख रुपये प्रार्थी को वापस दिलाने के अदालती आदेश प्राप्त कर लिए गए हैं।

दूसरी ओर, भीमगंज थाना पुलिस ने उन म्यूल अकाउंट धारकों पर शिकंजा कसा है जो लालच में आकर अपना बैंक खाता सायबर ठगों को बेच देते हैं। थानाधिकारी सुनील चौधरी के नेतृत्व में पुलिस ने बाबूलाल खटीक (30) और आशीष खोईवाल (22) निवासी पंचमुखी कॉलोनी को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी बाबूलाल के खाते से हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और राजस्थान में सायबर ठगी की 6 गंभीर शिकायतें दर्ज थी। आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने चंद रुपयों के लालच में अपनी बैंक डायरी, एटीएम और सिम कार्ड सायबर अपराधियों को सौंप दिए थे। इन खातों के जरिए लाखों का संदिग्ध ट्रांजेक्शन हुआ है।